

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 531]

नई दिल्ली, शुक्रवार, वि.सं.बर 29, 1972/पौष 8, 1894

No 531]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 29, 1972/PAUSA 8, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 29th December 1972

S.O. 770 (E).—In exercise of the powers conferred by section 35 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby specifies the exceptions, restrictions and limitations specified in column (2) of the Table below subject to which the provision of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table, shall apply to or in relation to the General Insurance Corporation of India formed under section 9 of the first mentioned Act and to every acquiring company as defined in the said Act :—

TABLE

Section of Insurance Act	Exceptions restrictions and Limitations
(1)	(2)
Section 101A	In sub-section (8), for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely :— (ii) "Indian re-insurer" means the General Insurance Corporation of India formed under section 9 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972).

2. This notification shall come into force on the 1st of January, 1973.

[No. F. 64(34)Ins.I/72-I]

विश्व संज्ञासूचक

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1972

का० आ० 770 (अ).—साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट उन अपवादों, निर्बन्धनों और परिसीमाओं को एतद्द्वारा विनिर्दिष्ट करती है जिनके अधीन रहते हुये उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में की तरस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) का उपबन्ध प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 9 के अधीन बनाये गये भारतीय साधारण बीमा निगम को या उसके सम्बन्ध में और उक्त अधिनियम में यथा परिभाषित प्रत्येक धर्जक कम्पनी को लागू होगा :—

सारणी

बीमा अधिनियम की धारा

अपवाद, निर्बन्धन और परिसीमायें

(1)

(2)

धारा 101 क

उपधारा (8) में, खण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

(ii) "भारतीय पुनर्बीमाकर्ता" से साधारण बीमा (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 9 के अधीन बनाया गया भारतीय साधारण बीमा निगम अभिप्रेत है ।

2. यह अधिसूचना 1973 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त होगी ।

[सं० का० 64 (34) आई एन एस I/72-I]

S.O. 771(B)—In exercise of the powers conferred by section 35 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby specifies the exceptions, restrictions and limitations specified in column (2) of the Table below subject to which the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) shall apply to or in relation to the General Insurance

Corporation of India formed under section 9 of the first mentioned Act and to every acquiring company as defined under the said Act :—

TABLE

Sections of Insurance Act

Exceptions, restrictions and limitations.

(1)

(2)

Sections 2C, 2E, 3B, 4, 6 to 9 (both inclusive), 13, 16, 17A, 22, 27, 27A, 28, 28A, 29 to 31 (both inclusive), 31A, 31B, 32, 32A, 34, 34A to 34H (both inclusive), 35, 36, 37, 37A, 38, 39, 40A, 40B, 42A, 42B, 42C, 44, 45, 47, 47A, 48, 48A, 48B, 49 to 52 (both inclusive), 52A, 52B, 52BB, 52C to 52N (both inclusive), 53 to 64, 64A to 64T (both inclusive), 64V, 64VA, 64VC, 65 to 101 (both inclusive), 101B, 101C, 106A, 110B to 110G (both inclusive), 112, 113, 115, 116 and 120.

Not applicable

Section 10

The portion beginning with the words "and where the insurer" and ending with the words "prescribed in this behalf" in sub-section (1) the proviso to that sub-section, sub-sections (2), (2A) and (3) shall be omitted.

Section 28 B]

In sub-section (2), for the portion beginning with the words "during each of the quarters" and ending with the words "to which it relates", the words "during each year within thirty-one days from the close of the year" shall be substituted.

Section 33

- (1) Sub-section (1A) shall be omitted.
- (2) In sub-sections (2) and (3), the words, brackets, figure and letter, "or inspection under sub-section (1A)," shall be omitted.
- (3) Sub-section (3A) shall be omitted.
- (4) In sub-section (4), the words, brackets, figure and letter "or under sub-section (3A)" shall be omitted.
- (5) Sub-sections (4A) and (4B) shall be omitted.

Section 40C

- (1) In the proviso, the words, figures and letter "after consultation with the Executive Committee of the General Insurance Council constituted under section 64F" shall be omitted.
- (2) After the said proviso the following proviso shall be added, namely:—

"Provided that nothing in this sub-section shall apply to the General Insurance Corporation of India formed under section 9 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972)."

(1)	(2)
Section 64UA	In sub-section (1), for clauses (a) to (d), the following clauses shall be substituted, namely :— “(a) the Chairman of the General Insurance Corporation of India or a member of the Advisory Committee to be nominated by him, who shall be the Chairman ; (b) not more than fifteen members to be nominated by the General Insurance Corporation of India with the prior approval of the Central Government.”
Section 64UC	Sub-section (3) shall be omitted.
Section 64 UJ.	In sub-section (2), for the portion beginning with the words “of which not more than” and ending with the words “Controller” the words “nominated by the Advisory Committee” shall be substituted.
Section 64UM	Sub-sections (3), (4) and (9) shall be omitted.

[No. F. 64(34) Ins.I/72-III]

A. RAJAGOPALAN,

Officer on Special Duty and *ex-officio* Addl. Secy.

का० प्रा० 771(अ).—विविध बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट ऐसे अपवाद, निर्बंधन और परिसीमायें एतद्द्वारा विनिर्दिष्ट करती है, जिनके अधीन बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4), प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 9 के अधीन बनाये गये भारतीय विविध बीमा निगम को या उसके सम्बन्ध में और उक्त अधिनियम के अधीन यथा-परिभाषित प्रत्येक अर्जक कम्पनी को लागू होगा:—

सारणी

बीमा अधिनियम की धारायें	अपवाद, निर्बंधन और परिसीमायें
(1)	(2)
धारा 2ग, 2क, 3ख, 4, 6 से 9 (जिनमें से दोनों धारा सम्मिलित हैं), 13, 16, 17क, 22, 27, 27क, 28, 28क, 29 से 31 (जिनमें से दोनों धारा सम्मिलित हैं) 31क, 31ख, 32, 32क, 34, 34क से 34ज (जिसमें दोनों धारा सम्मिलित हैं), 35, 36, 37, 37क, 38,	लागू नहीं होता ।”

(1)

(2)

39, 40क, 40ख, 42क, 42ख, 42ग, 44,
45, 47, 47क, 48, 48क, 48ख, 49
से 52 (जिनमें दोनों धारा सम्मिलित हैं),
52क, 52ख, 52खख, 52ग से 52 ङ
(जिनमें दोनों धारा सम्मिलित हैं), 53 से
64, 64क से 64न (जिनमें दोनों धारा
सम्मिलित हैं), 64फ, 64फक, 64फग,
65 से 101 (जिनमें से दोनों धारा
सम्मिलित हैं), 101ख, 101ग, 106क,
110ङ, से 110छ (जिनमें से दोनों धारा
सम्मिलित हैं), 112, 113, 115, 116,
और 120 ।

धारा 10

उपधारा (1) में, "और जहां बीमाकर्ता"
शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और "पृथक
लेखा रखेगा" शब्दों से समाप्त होने वाले
भाग का, उस उपधारा के परन्तुक का,
उपधारा (2), (2क) और (3) का लोप,
कर दिया जायेगा ।

धारा 28 ख

उपधारा (2) में, "माघ, जून, सितम्बर और
विसम्बर के अन्तिम दिन को" शब्दों से प्रारम्भ
होने वाले और "इकतीस दिन के अन्तर
हुई है" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के
स्थान पर, "प्रत्येक वर्ष के दौरान उस वर्ष
के समाप्त होने के इकतीस दिन के अन्तर
हुई है" शब्द रखे जायेंगे ।

धारा 33

(1) उपधारा (1क) का लोप कर दिया
जाएगा ।

(2) उपधारा (2) और (3) में, "या
उपधारा (1क) के अधीन निरीक्षण" शब्दों
कोष्ठकों, अंकों और अक्षर का लोप कर
दिया जाएगा ।

(1)

(2)

(3) उपधारा (3क) का लोप कर दिया जाएगा।

(4) उपधारा (4) में, “या उपधारा (3क) के अधीन” शब्दों, कोष्ठकों, अंक और अक्षर का लोप कर दिया जाएगा।

(5) उपधारा (4क) और (4ख) का लोप कर दिया जाएगा।

धारा 40ग

(1) परन्तु में, “धारा 64घ के अधीन गठित विविध बीमा परिषद् की कार्यकारिणी समिति से परामर्श के पश्चात्” शब्दों, अंकों और अक्षर का लोप कर दिया जाएगा।

(2) उक्त परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु इस उपधारा की कोई भी बात विविध बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 9 के अधीन बनाए गए भारतीय विविध बीमा निगम को लागू नहीं होगी।”।

धारा 64 प क

उपधारा (1) में, खण्ड (क) से (घ) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखे जायेंगे, अर्थात् :—

“(क) भारतीय विविध बीमा निगम का अध्यक्ष या उसके द्वारा नाम-निर्देशित किया जाने वाला सलाहकार-समिति का सदस्य, जो अध्यक्ष होगा,

(ख) पन्द्रह से अधिक ऐसे सदस्य, जो केन्द्रीय सरकार के पूर्विक अनुमोदन से भारतीय विविध बीमा निगम द्वारा नामनिर्देशित किए जायेंगे।”

(1)

(2)

धारा 64 प ग

उपधारा (3) का लोप कर दिया जाएगा ।

धारा 64 प ङ

उपधारा (2) में, "जिनमें से" शब्दों से आरम्भ होने वाले शब्दों और "नियतक द्वारा नाम-निर्देशित किए जाएंगे" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर, "जो सलाह-कार समिति द्वारा नामनिर्देशित किये जाएंगे" शब्द रखे जायेंगे ।

धारा 64 प ञ

उपधारा (3), (4) और (9) का लोप कर दिया जाएगा ।

[सं० फा० 64(34)--आई एन एस I/72-II]

प्र० राजगोपालन,

विशेष-कार्य अधिकारी और पढेन अपर सचिव ।

